वार्षिक पत्रिका
अंक-8, 2000- 2001

प्रवाहिनी

आपो हि ष्ठा मयोभुवः

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रूड़की -247667

सम्पादक मण्डल

डा० (श्रीमती) रमा मेहता वैज्ञानिक ब एवं हिन्दी अधिकारी
श्री तिलक राज सपरा, शोध सहायक

टंकण कार्य
श्री दौलत राम सहगल, आशुलिपिक (हिन्दी)

नोटः रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

विषय संदर्भ

क्रम सं०	विवरण	पृष्ठ सं०
1.	सम्पादकीय	
2.	हिन्दी रिपोर्ट	१.
3.	मध्य प्रदेश में राजीव गाँधी जलग्रहण क्षेत्र कार्यक्रम का विकास - राहुल कुमार जैसवाल	३.
4.	पानी की उम्र तथा उसका महत्व - डा० भीष्म कुमार	५.
5.	बैरोमीटर - डा० शरद जैन	९.
6.	क्या भारत की नदियाँ प्रदूषण मुक्त की जा सकती है ? - डा० चक्रेश कुमार जैन व श्री तिलक राज सपरा	१०.
7.	सच्ची सफलता हेतु कुछ अनिवार्य शर्ते - डा० रमा मेहता	१३.
8.	सृजनात्मकता -डा० शिखा जैन	१५.
9.	उत्तरांचल राज्य में जल प्रबन्धन एक तकनीकी एवं व्यवहारिक दृष्टिकोण - श्री दिगम्बर सिंह	१७.
10.	शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तकालय का महत्व - श्री प्रदीप कुमार	२०.
11.	जिन्द गी - श्री अनिल कुमार लोहनी	२५.
12.	आत्मा की पुकार - श्रीमती अन्जु चौधरी	२५.
13.	विद्या धन सभी धनों में उत्तम है - कु० गर्विता	२६.
14.	सरकारी अस्पताल - श्री मुकेश कुमार शर्मा	२९.
15.	ज्ञान सरोवर - श्री चन्द्र प्रकाश कुमार	३०.
16.	गीताजंली का इन्टरव्यू - श्री सतीश कुमार कश्यप	३२.
17.	वेतन पर आयकर गणना - एक अवलोकन - श्री वी.के. शर्मा., श्री पंकज गर्ग	३४.
18.	अपने महान स्वरूप को पहचानिए - श्री दौलत राम सहगल	३७.
19.	बींसवी सदी में सोने के भाव में उतार - चढ़ाव - हर्षित गर्ग	३८.
20.	सपने दिन में मत देखिये - आंशिका गर्ग	३९.
21.	स्वास्थ्य रक्षा के अद्भूत उपाय - डॉ० भीष्म कुमार	४०.
22.	स्क्रीन सेवर - पी.के.मजुमदार	४४.
23.	प्लास्टिक बैग - कितने हानिकारक - डा० चक्रेश कुमार जैन,श्री तिलक राज सपरा	४६.
24.	निबन्ध : कश्मीर समस्या और उसका समाधान	
	प्रथम - श्री पंकज गर्ग	४७.
	द्वितीय - श्री तेजपाल	५०.
	तृतीय - श्रीमती अन्जु चौधरी	५३.